बजट सत्र – 2020 के समापन अवसर पर
माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

गुरूवार 26 मार्च, 2020

माननीय सदस्यगण, छत्तीसगढ़ की पांचवी विधान सभा का यह षष्टम सत्र 24 फरवरी से 1 अप्रैल, 2020 तक आहूत था, वैश्विक महामारी कोरोना के कारण उत्पन्न परिस्थितियों में निर्धारित तिथि से पूर्व आज सम्पन्न हो रहा है । उत्पन्न परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद यह प्रथम अवसर है कि विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा कराए बिना गिलोटिन के माध्यम से बजट स्वीकृत किया गया।

सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, नेता प्रतिपक्ष जी एवं सभी माननीय सदस्यों से मेरा विनम्र आग्रह है कि आप राज्य एवं देश को कोरोना महामारी से मुक्त करने में सामूहिक पहल के लिए संकल्पित रहें। राज्य शासन ने पूर्ण गंभीरता के साथ इस महामारी से निपटने के लिए आवश्यक प्रयास किए हैं और मुझे विश्वास है कि शीघ्र ही हमारा राज्य एवं देश कोरोना से मुक्त होगा । जहां हम एक ओर कोरोना महामारी के दंश से पीड़ित हैं, वहीं दूसरी ओर विगत दिनों बस्तर में घटित नक्सली घटना की जितनी भी निंदा की जाए कम होगी ।

सामान्य तौर पर सत्र समापन के अवसर पर आसंदी से संक्षेप में सत्र की समीक्षा रखी जाती है परन्तु वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उसका उल्लेख करना मैं प्रासंगिक नहीं समझता । सत्र की अब तक की अवधि में जिन भी महानुभावों का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग और सहभागिता रही है, उन सबके प्रति मैं हृदय से साधुवाद प्रेषित करता हूँ ।

आइए, हम सब मिलकर इस महामारी की रोकथाम के लिए मिलकर कार्य करें, हमारा यह व्यक्तिगत सहयोग न केवल राज्य और राष्ट्र की सेवा होगी बल्कि हमारा यह प्रयास सम्पूर्ण मानवता की रक्षा के लिए दिया गया हमारा अमूल्य योगदान भी होगा ।

जय–हिन्द, जय–छत्तीसगढ़ !